BEST PRACTICE - 1

Title of the Practice- Avenue of Awareness and empowerment opened through State Women' Policy

Objective of the Practice- The prime objective of the practice is to create awareness about personal hygiene, self-defence, malnutrition and sexual harassment in the girl students.

The Context- Our institution is a premier educational institution in the region. It has thousands of Girl students. It was often seen that girl students especially of humble background from villages often miss their classes due to several reasons like lack of personal hygiene during menstruation cycle, fear of harassment in open world, prone to various malnutrition related ailments etc. In such scenario our institution resorted to awareness cum empowerment activities under State Women' policy to uplift both morale and health of girl students.

The Practice- Institution organised five days camp on self-defence and awareness about dowry, harassment etc. For this instructors were called and girls were given qualitative training on self-defence. Girls were made aware about laws of dowry and sexual harassment so that they could understand such situations better and their exploitation by society and various public institutions could be avoided.

Our institution has put health and hygiene of girl students at priority proved by distribution of sanitary napkins which was one of the best practices institution embraced in previous session. This practice empowers girls in maintaining personal hygiene and ensures their regular attendance in the college. Lectures were also organised on malnutrition as it is evident that approximately 50% women and girls are found anaemic in our country. It not only affects physical health but also hampers psychological development of girl students.

Evidence of success- Such activities has certainly boosted morale of girl students. We are sharing photographs of programme's success.

Problems encountered and resources required- We faced plethora of problems like breaking mental makeup in students about such activities as formality only, requirement of funds for organising camps etc.

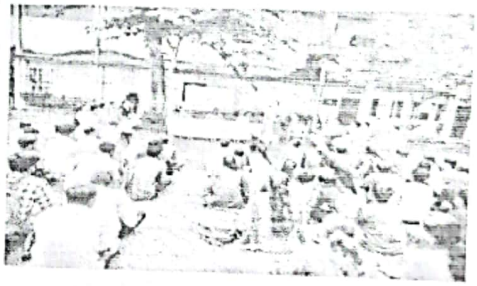

प्राचार्य
स्व.पं. नवल किशोर शर्मा
राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, दौसा

Scanned with CamScanner

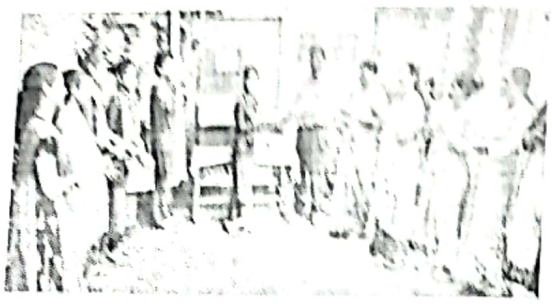

राज्य महिला नीति, 2021 के तत्वावधान में पांच दिवसीय महिला जागरूकता शिविर का आयोजन किया

[illegible] आवाज

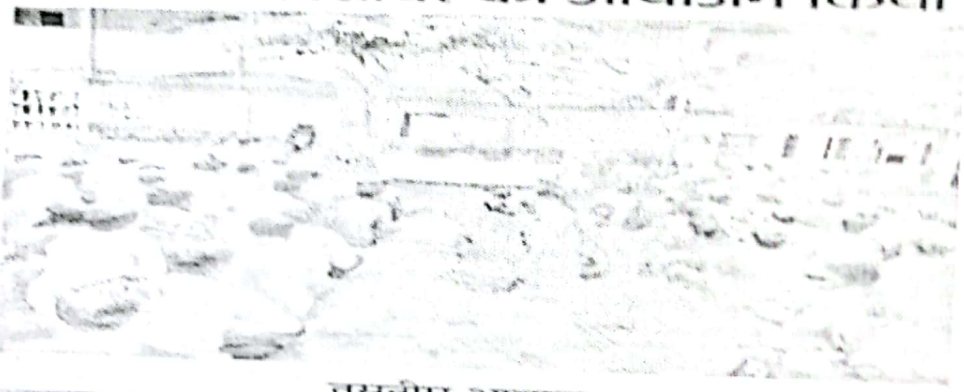

दौसा (विष्णु आशीर्वाद)। स्वर्गीय पंडित नवलकिशोर शर्मा राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, दौसा में राजस्थान राज्य महिला नीति, 2021 के तत्वावधान में दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। प्रथम दिवस पर निर्भया दल (पुलिस अकादमिक, दौसा) के द्वारा आत्मरक्षा का प्रशिक्षण शिविर, पूनम एवं कविता द्वारा दिया गया। कार्यशाला के द्वितीय दिवस व्याख्यानमाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ कार्यवाहक प्राचार्य डॉ. आर. के. मीना के सम्बोधन से हुआ। प्राचार्य ने राज्य महिला नीति को बताते हुये कहा कि सरकार महिलाओं के अधिकारों के लेकर संवेदनशील है। अतः महिलाओं को भी आत्मरक्षा व उनसे सम्बंधित कानूनों के प्रति जागरूक रहना चाहिए। कार्यक्रम की मुख्य वक्ता प्रतिभा मीना, सहायक आचार्य अंग्रेजी ने दहेजप्रथा व दहेज निषेध अधिनियम, 1961 की विस्तृत जानकारी विद्यार्थियों को प्रदान की। मुख्य वक्ता ने कहा कि आजादी के 75 वर्ष पूर्ण होने पर भी महिलाएं दहेज जैसी सामाजिक कुरीतियों में जकड़ी हुई है इसलिए महिलाओं को भारतीय संविधान, दंड संहिता, दहेज निषेध अधिनियम एवं क्रिमिनल लॉ में उल्लेखित नियम व कानूनों के बारे में जानकारी होना जरूरी है, जिससे महिलाओं पर होने वाले अत्याचार जैसेकि घरेलू हिंसा, कन्या भ्रूण हत्या, मजबूरन आत्महत्या इत्यादि पर रोक लगाई जा सके। कार्यक्रम की श्रृंखला में डॉ. भूपाल सिंह ने महिला सशक्तिकरण पर एक कविता प्रस्तुत कर विद्यार्थियों को महिलाओं की वर्तमान समाज में स्थिति से अवगत करवाया साथ ही उन्हें अत्याचारों के विरुद्ध कानून की सहायता लेने के लिए प्रेरित किया। व्याख्यानमाला के पश्चात छात्राओं को निर्भया दल द्वारा आत्मरक्षा प्रशिक्षण दिया गया। दूसरे दिन भी छात्राओं ने बड़े उत्साह के साथ प्रशिक्षण में भाग लिया। कार्यक्रम की संयोजक डॉ. रेनु मीना ने राज्य महिला नीति के उद्देश्यों व कार्यक्रम पर प्रकाश डाला साथ ही छात्राओं को आत्मसुरक्षा को गम्भीरता से लेने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में मंच संचालन डॉ. पूनम [illegible] द्वारा किया गया। कार्यक्रम में महिला नीति सदस्य डॉ. गीतिका, डॉ. निकिता शर्मा, डॉ. सुनीता जैन, डॉ. शोभा अरोड़ा, डॉ. नीतू गुप्ता, डॉ. मंजू नागरिया, डॉ. महेश चन्द मीना, डॉ. माधुरी गुप्ता, डॉ. मीना गर्ग ने सक्रियता से भागीदारी निभाई।

प्राचार्य
स्व.पं. नवल किशोर शर्मा
राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, दौसा

Scanned with CamScanner